



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 35]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 23, 2019/माघ 3, 1940

No. 35]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 23, 2019/MAGHA 3, 1940

## राष्ट्रपति सचिवालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 2019

**सं. 2-प्रेज/2019.**—राष्ट्रपति, असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्ति को "अशोक चक्र" पुरस्कार प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:-

**12974389 एन लांस नायक नजीर अहमद वानी, बार टू सेना मेडल, जम्मू एवं कश्मीर लाइट इंफैंट्री/ 34वीं बटालियन राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरान्त)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 25 नवम्बर, 2018)

लांस नायक नजीर अहमद वानी, एसएम\*\*, ने सेना में भर्ती होने से ही उच्च कोटि के सैनिक गुणों का परिचय दिया। उन्होंने विषम परिस्थितियों में अनेक अवसरों पर ड्यूटी के अनुरूप गंभीर खतरे में अपना परिचय देते हुए मिशनों की चुनौती को सदैव ही स्वेच्छा से स्वीकार किया। यह उनको पूर्व में प्रदान किए गए दो वीरता पुरस्कारों से स्पष्ट है।

25 नवम्बर, 2018 को जम्मू एवं कश्मीर के गांव में बड़ी मात्रा के साथ सशस्त्र छह आतंकवादियों के मौजूद होने की विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई थी। अत्यंत संभावित बचाव मार्ग को रोकने की जिम्मेदारी के साथ लांस नायक नजीर अहमद वानी अपनी टीम के साथ लक्षित मकान की ओर तत्काल पहुंचे और स्वयं को हमला करने की दूरी के अंदर ही रणकौशल रूप में मोर्चा थाम लिया। खतरे को भांपते हुए आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए और ग्रेनेड दागते हुए आंतरिक घेराबंदी को तोड़ने का प्रयास किया। परिस्थिति के प्रति निडर रहते हुए लांस नायक

नजीर ने आतंकवादियों का सामना किया और अत्यंत निकट की आमने-सामने की गोलीबारी में एक कट्टर आतंकवादी का सफाया कर दिया।

इसके पश्चात लांस नायक नजीर ने सैनिक के रूप में अनुकरणीय कौशल का प्रदर्शन करते हुए भारी गोलीबारी के बीच लक्षित मकान पर हमला कर दिया और उस कमरे पर ग्रेनेड दाग दी जहां पर दूसरा आतंकवादी छिपा हुआ था। विदेशी आतंकवादी को खिड़की से बचकर निकलने की कोशिश में देखते हुए उन्होंने आमने-सामने के मुकाबले में उसे मार गिराया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद भी लांस नायक नजीर ने आतंकवादी को धराशायी कर दिया।

अपने जख्म की परवाह न करते हुए लांस नायक नजीर ने शेष आतंकवादियों का उग्रता और साहस के साथ मुकाबला करना जारी रखा। उन्होंने दूसरे आतंकवादी को निकट के मुकाबले में घायल कर दिया परन्तु आतंकवादी ने उनको पुनः घायल कर दिया और वह अपने जख्मों के कारण शहीद हो गए।

लांस नायक नजीर अहमद वानी, एसएम\*\* ने दो आतंकवादियों को व्यक्तिगत रूप से मार गिराने में और अपने घायल साथियों को सुरक्षित बचाने के प्रयास में अत्यंत असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया और भारतीय सेना की सर्वोच्च परम्परा के अनुसार सर्वोच्च बलिदान दिया।

भरत लाल, राष्ट्रपति के संयुक्त सचिव

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

### NOTIFICATION

New Delhi, the 23<sup>rd</sup> January, 2019

**No. 2-Pres/2019.**—The President is pleased to approve the award of the “Ashoka Chakra” to the under mentioned person for the act of most conspicuous gallantry:-

**12974389N LANCE NAIK NAZIR AHMAD WANI, BAR TO SENA MEDAL, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY/34<sup>TH</sup> BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 25 November, 2018)

Since his enrolment in the Army, Lance Naik Nazir Ahmad Wani, SM\*\*, epitomised qualities of a fine soldier. He always volunteered for challenging missions, displaying great courage under adverse conditions, exposing himself to grave danger on numerous occasions in the line of duty. This is evident from the two gallantry awards conferred on him earlier.

On 25 November 2018, credible intelligence was received regarding presence of six heavily armed terrorists in a village of Jammu and Kashmir. Tasked to block the most likely escape route, L/Nk Nazir Ahmad Wani, moved swiftly with his team to the target house and tactically positioned himself within striking distance. Sensing danger, the terrorists attempted breaching the inner cordon firing indiscriminately and lobbing grenades. Undeterred by the situation, L/Nk Nazir held ground and eliminated one hard core terrorist in a fierce exchange at close range.

Thereafter, displaying exemplary soldierly skills, L/Nk Nazir closed in with the target house under heavy fire and lobbed grenades into a room where another terrorist was hiding. Seeing the foreign terrorist escaping from the window, he encountered him in a hand to hand combat situation. Despite being severely wounded, L/Nk Nazir eliminated the terrorist.

Showing utter disregard to his injury, L/Nk Nazir continued to engage the remaining terrorists with same ferocity and audacity. He injured yet another terrorist at close range, but was hit again and succumbed to his injuries.

Lance Naik Nazir Ahmad Wani, Sena Medal\*\* exhibited most conspicuous gallantry in personally eliminating two terrorists and assisting in evacuation of his wounded colleagues and made supreme sacrifice in the highest traditions of the Indian Army.

BHARAT LAL, Jt. Secy. to the President